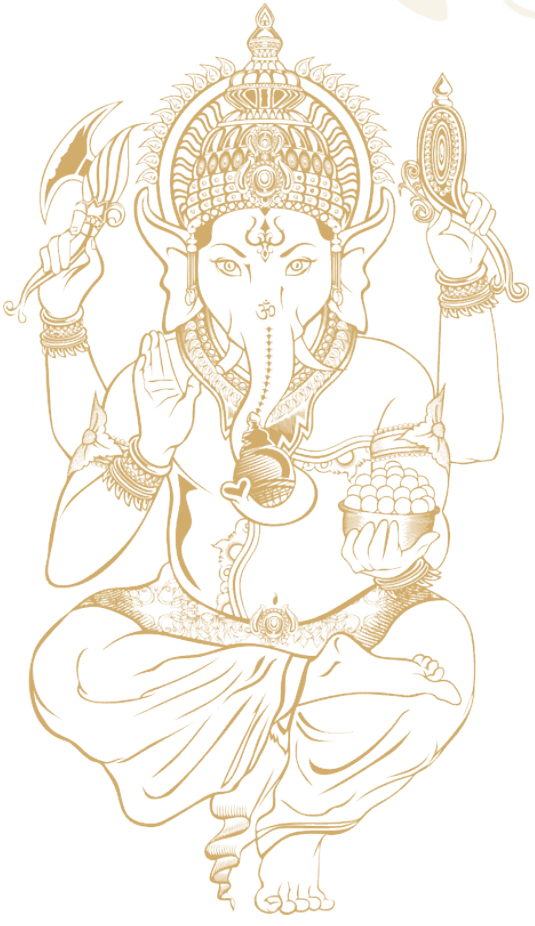

Anushka Gupta

22 Jul 2002

03:02 AM

Balrampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121940302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21-22/07/2002**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:02:00 घंटे**
इष्ट	54:17:48 घटी
स्थान	**Balrampur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:25:00 उत्तर
रेखांश	82:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:00:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:23 घंटे
साम्पातिक काल	22:58:34 घंटे
सूर्योदय	05:18:52 घंटे
सूर्यास्त	18:56:10 घंटे
दिनमान	13:37:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:02:57 कर्क
लग्न के अंश	03:55:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:55:52	334:13:41	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	05:02:57	00:57:16	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	05:03:51	13:17:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	11:24:38	00:38:27	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध		अ	कर्क	06:00:35	02:06:59	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
गुरु		अ	कर्क	03:42:07	00:13:24	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	18:24:10	01:06:04	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि			वृष	29:51:42	00:06:52	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	23:26:17	00:01:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	23:26:17	00:01:24	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:03:48	00:01:59	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:59:44	00:01:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:20:04	00:01:02	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	19:26:25	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:18

लग्न-चलित

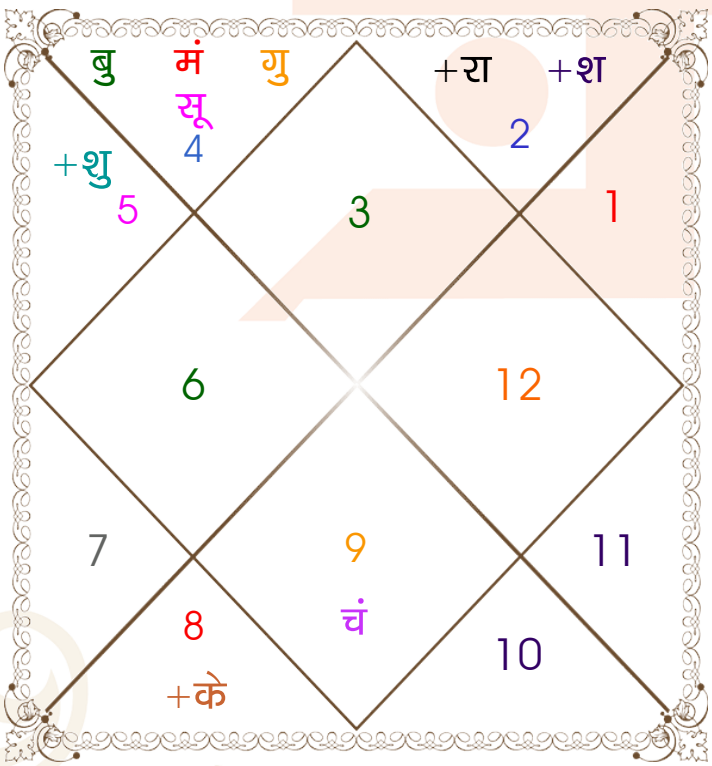

चन्द्र कुंडली

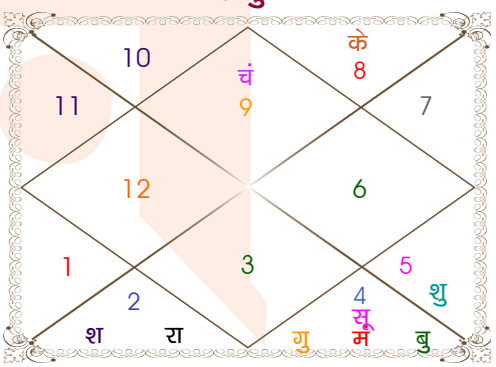

नवमांश कुंडली

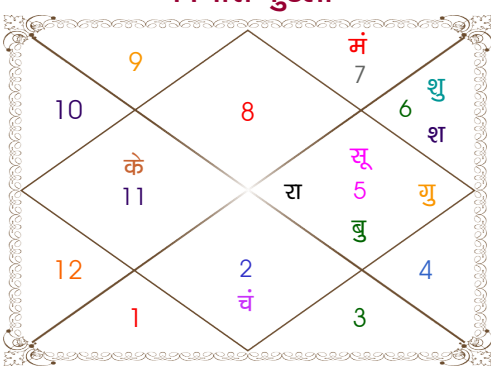

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 4 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/07/2002		23/11/2006		23/11/2026		23/11/2032		23/11/2042	
23/11/2006		23/11/2026		23/11/2032		23/11/2042		23/11/2049	
	00/00/0000	शुक्र	25/03/2010	सूर्य	13/03/2027	चंद्र	23/09/2033	मंगल	21/04/2043
	00/00/0000	सूर्य	25/03/2011	चंद्र	11/09/2027	मंगल	24/04/2034	राहु	09/05/2044
	00/00/0000	चंद्र	23/11/2012	मंगल	17/01/2028	राहु	24/10/2035	गुरु	15/04/2045
	22/07/2002	मंगल	23/01/2014	राहु	11/12/2028	गुरु	22/02/2037	शनि	25/05/2046
मंगल	24/10/2002	राहु	23/01/2017	गुरु	29/09/2029	शनि	23/09/2038	बुध	22/05/2047
राहु	11/11/2003	गुरु	24/09/2019	शनि	11/09/2030	बुध	23/02/2040	केतु	18/10/2047
गुरु	17/10/2004	शनि	23/11/2022	बुध	19/07/2031	केतु	23/09/2040	शुक्र	17/12/2048
शनि	26/11/2005	बुध	23/09/2025	केतु	24/11/2031	शुक्र	25/05/2042	सूर्य	24/04/2049
बुध	23/11/2006	केतु	23/11/2026	शुक्र	23/11/2032	सूर्य	23/11/2042	चंद्र	23/11/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/11/2049		24/11/2067		24/11/2083		24/11/2102		25/11/2119	
24/11/2067		24/11/2083		24/11/2102		25/11/2119		00/00/0000	
राहु	05/08/2052	गुरु	11/01/2070	शनि	26/11/2086	बुध	22/04/2105	केतु	22/04/2120
गुरु	30/12/2054	शनि	24/07/2072	बुध	05/08/2089	केतु	19/04/2106	शुक्र	22/06/2121
शनि	05/11/2057	बुध	30/10/2074	केतु	14/09/2090	शुक्र	17/02/2109	सूर्य	28/10/2121
बुध	24/05/2060	केतु	06/10/2075	शुक्र	14/11/2093	सूर्य	24/12/2109	चंद्र	29/05/2122
केतु	12/06/2061	शुक्र	06/06/2078	सूर्य	27/10/2094	चंद्र	26/05/2111	मंगल	23/07/2122
शुक्र	11/06/2064	सूर्य	25/03/2079	चंद्र	27/05/2096	मंगल	22/05/2112		00/00/0000
सूर्य	06/05/2065	चंद्र	24/07/2080	मंगल	06/07/2097	राहु	10/12/2114		00/00/0000
चंद्र	05/11/2066	मंगल	30/06/2081	राहु	13/05/2100	गुरु	16/03/2117		00/00/0000
मंगल	24/11/2067	राहु	24/11/2083	गुरु	24/11/2102	शनि	25/11/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।